

---

# Shri Anubhava Ashtakam

---

## श्री अनुभवाष्टकम्

---

### Document Information

---

Text title : Shri Anubhava Ashtakam 06 09

File name : anubhavAShTakam.itx

Category : misc, aShTaka

Location : doc\_z\_misc\_misc

Proofread by : Saritha Sangameswaran

Description/comments : prakIrNastotrANi Stotrarnavah Ed. T.Chandrasekharan 1961 From  
stotrArNavaH 06-09

Latest update : March 27, 2022

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

March 27, 2022

*sanskritdocuments.org*

---


श्री अनुभवाष्टकम्




निरवग्रहबोधविग्रहं निजमाधुर्यधुराधुरन्धरम् ।  
परितः प्रथतेतरामहो परमं नः परमार्थवैभवम् ॥ १ ॥  
अवधूततमिस्रविस्त्रवं विविधोपाधिपरङ्गपारगम् । (विविधोपाधित)  
अहह स्फुटमद्य भुञ्जहे निजसाम्राज्यमुखैक सम्म्लवम् ॥ २ ॥  
स्वरसस्फुरणस्कुटाधुतः सहजः सम्प्रसरन् समन्ततः ।  
किमपि स्वदतेतरामहो महिमा वाङ्मनसातिलङ्घितः ॥ ३ ॥  
सहजन्मसमग्रजन्मिनां प्रथमानप्रथमं महन्महः ।  
मधुरं मधुरादयो मुहुर्मुहुरास्वाद्य चमत्कृता वयम् ॥ ४ ॥  
न वचांसि न चित्तवृत्तयः पदमेतत् परिमातुमीशते ।  
परमं किमपीदमद्भुतं पुनरप्य — ॥ ५ ॥  
चरणाभरणे फणिभ्रमादिव दूराय पलायिता वयम् ।  
अधुना पुनराद्यविद्यया परमानन्दपदे कथं स्थिताः ॥ ६ ॥  
— णाकत्रणानिरीक्षणाक्षणनिर्वासितसर्वसंञ्चराः ।  
— सर्वतः कलयामः कथयामहे कियत् ॥ ७ ॥  
न परः प्रणयेन — ता वयम् ।  
सपदि स्वपदेऽभिषेचितास्तदहो कृष्णकृपाविजुम्भितम् ॥ ८ ॥  
अनुभवाष्टकमेतदनारतं परिपठन्ति जहन्ति रसान्तरम् ।  
निजरसेन चिरं चरितार्थतामनुभवन्तु जगन्ति निरन्तरम् ॥ ९ ॥  
इति श्री अनुभवाष्टकं सम्पूर्णम् ।

(The manuscript had incomplete/indecipherable lines marked with —)

Proofread by Saritha Sangameswaran

——  
*Shri Anubhava Ashtakam*

pdf was typeset on March 27, 2022

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

